>

Title: Need to implement irrigation projects in Aurangabad district, Bihar.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद): मैडम, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आभार प्रकट करता हूं। मुझे आपका संरक्षण चाहिए। ...(व्यवधान) मैं लोक महत्व के अत्यंत महत्वपूर्ण विषय को सदन में उठाना चाहता हूं। ...(व्यवधान) एक अंतर्राज्जीय सिंचाई परियोजना है, जो झारखण्ड और बिहार के चार-चार संसदीय क्षेत्रों और तीन जिलों- पलामू, औरंगाबाद और गया के सवा लाख हेक्टेयर जमीम की सिंचाई करने वाली है। ...(व्यवधान) मैं आपको बताना चाहता हूं कि इस सिंचाई परियोजना पर 1975 में काम शुरू हुआ। अभी तक हजारों करोड़ रुपए इस परियोजना के निर्माण पर खर्च हो चुके। ...(व्यवधान) किसानों की जमीन अधिग्रहित कर ली गयी, नहरें खोद दी गयीं, ...(व्यवधान) लेकिन कुटकू डैम में स्लूईस गेट के अभाव में यह डैम अभी तक बरसाती नहर के रूप में है। ...(व्यवधान) इससे अभी तक कोई सिंचाई का कार्य शुरू नहीं हुआ है। अनिश्चित रूप से सिंचाई होती है। किसानों की सात-आठ हजार हेक्टेयर जमीन ले ली गयी। ...(व्यवधान) हजारों करोड़ रुपए इस परियोजना पर खर्च कर दिये गये। इसका स्थापना व्यय प्रतिवर्ष 12 करोड़ रुपए है, लेकिन इस सिंचाई परियोजना, जो एक अंतर्राज्जीय सिंचाई परियोजना है, से किसानों को कोई लाभ नहीं मिला रहा है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने वर्ष 2007 में कुटकू डैम में स्लूईस गेट लगाने पर पर्यावरण के कारण प्रतिबंध लगा दिया है। ...(व्यवधान) इसमें बेतला नेशनल पार्क तथा विभिन्न परियोजनाओं की जमीनें डूबेगी, यह कारण बताया गया है। एक तरफ सरकार खाद्य सुरक्षा बिल लाती है और दूसरी तरफ इतने महत्त्वपूर्ण सिंचाई परियोजना अधूरी है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं कि कुटकू डैम, जो एक महत्त्वपूर्ण सिंचाई परियोजना है, को शुरू करने के लिए सरकार कदम उठाए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री सुशील कुमार सिंह : 25 लाख किसानों और खेतिहर मज़दूरों के लिए यह महत्त्वपूर्ण सिंचाई परियोजना है, लेकिन 38 सालों से अधूरा है। ...(व्यवधान) भारत सरकार ने जो स्लूईस गेट के निर्माण पर प्रतिबंध लगाया हुआ है, उसे हटाये, अनापत्ति प्रमाणपत्र दे, उस डैम में फाटक लगे ताकि सवा लाख हैक्टेयर जमीन की सिंचाई हो सके। ...(व्यवधान) जो इलाका बंजर है, जो इलाका पूरी तरह से उग्रवाद से प्रभावित है, वहां इस महत्त्वपूर्ण सिंचाई परियोजना की ओर सरकार ध्यान दे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : किसानों की जो समस्या है, जो पीड़ा है, दुख-दर्द है, उससे हम लोग सभी दुखी हैं, पूरा सदन दुखी है। इसीलिए यहां पर उस विषय पर आज शाम की एक चर्चा लगी हुई है, उस पर चर्चा हो जाएगी और चर्चा पूरे विस्तार से होगी।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : इसके अलावा मैं और क्या करूँ? जब मैं कह रही हूं कि चर्चा करा देंगे, तो बैठ जाइए।

12.09 hrs

At this stage, Shri Shailendra Kumar, Shri Sher Singh Ghubaya, Shri Ganesh Singh and some other hon. Members went back to their seats.

MADAM SPEAKER: The 'Zero Hour' is over. Rest of the matters will be taken up at the end of the day.